मूल्यांकन के सिद्धान्त

"Principles of Eva."

मूल्यांकन प्रक्रिया के प्रमुख सिद्धान्तो का वर्णन —

1. उपकरणो का चुनाव
2. उपकरणों का उपयोग
3. पूर्ण मूल्यांकन — पूर्ण मू के लिए विभिन्न विधियो का प्रयोग चाहिए
4. मूल्यांकन कर्ता को ज्ञान — मूल्यांकन कर्ता को उपयोगिता का पूर्ण ज्ञान
5. उच्च लक्ष्यों की प्राप्ति — मूल्यांकन अंत नहीं है अपितु उच्च लक्ष्य प्राप्
6. नैतिक मूल्य — नैतिक मूल्यो का ध्यान रखना चाहिए मूल्यां

आदि

(Step of Eva. Process)

(मूल्यांकन प्रक्रिया के चरण)

1 — (Identifying and defining object) उद्देश्य का निर्धारण एवं परिभाषीकरण

2. अधिगम अनुभव की योजना बनाना (Planing the learning experience)
3. विभिन्न उपकरणों के माध्यम से साक्ष्य प्रदान करना (Providing evidance through Variety of Eva
4. व्यवहार परिवर्तन के क्षेत्र (Area of change behavior)

तीन क्षेत्र — (1) ज्ञानात्मक क्षेत्र

2

(मापन व मूल्यांकन में अन्तर)

मापन	मूल्यांकन
1- मापन	1- गुणों की व्याख्या
2- संख्यात्मक विवरण	2- गुणात्मक विवरण
3- केवल मात्रात्मक	3- मात्रात्मक व गुणात्मक
4- सीमित क्षेत्र	4- व्यापक क्षेत्र
5- संकीर्ण माप	5- सर्वांगीण क्षेत्र (व्यापक)
6- कम समय, धन, श्रम लगता है	6- अधिक समय, धन, श्रम लगता है
7- पाठ्यवस्तु केन्द्रित	7- उद्देश्य केन्द्रित
8- भविष्यवाणी सम्भव नहीं	8- भविष्यवाणी सम्भव
9- छोटी प्रक्रिया	9- बड़ी प्रक्रिया व्यापक प्रक्रिया
10- अंकों पर आधारित	10- गुणों पर आधारित
11- अंकन संभव	11- अंकन सम्भव नहीं
12- गणितीय संक्रियाएं सम्भव	12- गणितीय संक्रियाएं नहीं की जा सकती है
13- स्तर — नामित, क्रमित, अन्तरित, अनुपातिक (चार पद)	13- स्तर — शैक्षिक उद्देश्य, प्रक्रिया, परीक्षण, प्राप्त परिस्थितियां (4 पद)
14- मापन = अंकन	14 मूल्यांकन = मूल्य का अंकन
15- अंक निर्धारण की प्रक्रिया	15 मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया
16- मापन, मूल्यांकन का एक अंग मात्र है	16 मूल्यांकन एक व्यापक प्रक्रिया है
17- कितना का उत्तर	17 क्या का उत्तर
18 Measurement	18 Evaluation
19 विभिन्न प्रकार नहीं — भौतिक, मानसिक, मापन	19 लिखित, मौखिक, साक्षात्कार आदि
20 मापन का अर्थ वस्तु की मात्रा से है	20 मूल्यांकन का अर्थ वस्तु के मूल्य से है
21 मापन में सार्थक भविष्यवाणी सम्भव नहीं है	मूल्यांकन में सार्थक भविष्यवाणी सम्भव है
22 मापन का ज्ञान अपूर्ण है	मूल्यांकन का ज्ञान पूर्ण है
23 मापन मूल्यांकन से पहले होता है	23 मूल्यांकन मापन के बाद होता है
24 मापन के लिए उद्देश्य होना [illegible]	24 मूल्यांकन उद्देश्य आधारित होता है

Scanned with CamScanner

मूल्यांकन प्रक्रिया के सोपान / पद

1 – शैक्षिक उद्देश्यों का ध्यान
2 – प्राप्त उद्देश्यों की व्याख्या
3 – अधिगम परिस्थितियों को पहचानना
4 – परीक्षणों का चयन करना
5 – मूल्यांकन की विधि तैयार करना
6 – प्रविधि का तैयार एवं प्रमाणों का लेखन
7 – प्राप्त प्रमाणों की व्याख्या।

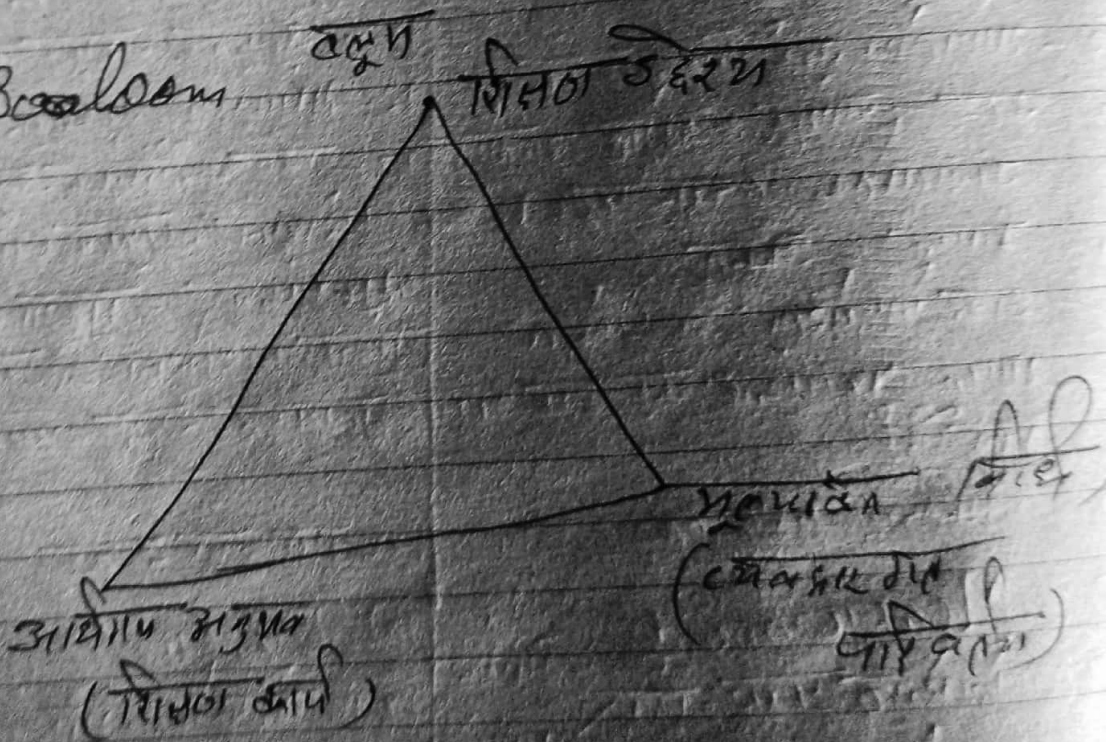

मूल्यांकन त्रिकोण विसन विधि

B.S Bloom ब्लूम

मुल्यांकन

परिणामात्मक म.

① मौखिक परीक्षा
② लिखित परी.
③ प्रायोगिक परीक्षा

गुणात्मक मू

मूल्यांकन के प्रकार
(Types of Evalution)

मौखिक (मेडाइडस) (Oral Eva) सुकरात ने भी यह विधि त्यागी की थी

लिखित Written

साक्षात्कार (Interview)

① मौखिक मूल्यांकन

वह प्रक्रिया जिसमें छात्रों का मूल्यांकन शब्दों के द्वारा किया जाता है उसे मौखिक मूल्यांकन कहते है।

② लिखित मूल्यांकन

③ साक्षात्कार मूल्यांकन

प्रमापी साक्षात्कार
Structured

अप्रमापी साक्षा
Non Structured

मूल्यांकन के लाभ

1- आत्म संतोष
2- आत्म विश्वास
3- मनोबल मे बढोत्तरी
4- गुणवत्ता मे सुधार
5- शिक्षण साधनो मे सुधार
6 शिक्षा मे संशोधन
7 पाठ्यक्रम मे सुधार हेतु सहायक है।
आदि।

मूल्यांकन के कार्य

(1) पाठ्यक्रम मे आवश्यक संशोधन करना।
(2) परीक्षा प्रणाली मे सुधार करना।
(3) निर्देशन एवं परामर्श हेतु उचित अवसर प्रदान क
(4) बालको के व्यवहार सम्बन्धी परिवर्तनो की जाँच
(5) अध्यापको की कुशलता एवं सफलता का मापन करना।
(6) बालको की दुर्बलताओ तथा योग्यताओ को जानकारी करने मे सहायता देना।
(7) अनुदेशन (Instruction) की प्रभावशीलता का प लगाना।
(8) बालको का विभिन्न श्रेणियो मे वर्गीकरण क
(9) नवीनतम एवं प्रभावी शिक्षण विधियो एवं प्रविधियो लागू करना।
(10) बालको की अधिगम कठिनाइयो का पता लगा
(11) बालको को उत्तम ढंग से सीखने के लिए प्रोत्साहित करना।
(12) सिद्धान्तात्मक व व्यवहारात्मक शिक्षण पर बल देना।

मापन का अर्थ। — मापन शब्द का प्रयोग अत्यन्त प्राचीन काल से दैनिक जीवन मे प्रयोग किया जाता है। —

जैसे — वस्त्र विक्रेता वस्त्र नाप कर देता है,

दूध वाला नाप के देता है, फल विक्रेता फलो को तौलकर देता है। डाक्टर मरीजो का तापमान नापता है।

उपरोक्त सभी दैनिक जीवन मे मापन के उदाहरण है। —

ठीक उसी प्रकार शिक्षा के क्षेत्र मे भी मापन का प्रयोग किया जाता है।

अर्थ: "मापन के द्वारा किसी व्यक्ति, वस्तु, घटक, स्थान के गुणो को विशेषताओ का मापन करना ही मापन कहलाता है।

~~चिन्ह, विशेषो मे प्रकट करने की प्रक्रिया को मापन कहते है~~

। मापन की परिभाषाऐं। —

1 — जेम्स एम० ब्रेडफील्ड (James M. Bradefield) —

(जड़ पदार्थ)

"मापन किसी वस्तु अथवा क्रिया, घटना, स्थान व्यक्ति के गुणो को चिन्ह रूप मे प्रकट करने की प्रक्रिया को मापन कहते है जिसके द्वारा यथा वस्तु अथवा क्रिया के पाये गुणो को सांकेतिक रूप मे प्रकट किया जाता है।"

या

"मापन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा किसी वस्तु, प्राणी अथवा क्रिया की किसी विशेषता को निश्चित मानदण्डो के आधार पर देखा परखा और मापा जाता है। और उसे मानक शब्दो, चिन्हो अथवा निश्चित इकाई अंको मे प्रकट किया जाता है।

(2) जी० सी० हेल्मस्टेडटर — G. C. Helmstedter — "मापन को किसी व्यक्ति या वस्तु मे निहित किसी विशेषता की मात्रा का आंकिक वर्णन प्राप्त करने की प्रक्रिया के रूप मे परिभाषित किया जाता है।"